उत्तर वन मंडल में टेंडर का खेल

चार साल से एक ही लाडले पर मेहरबान विभाग

डेढ़ करोड़ की निविदा में फिर वही पुराना खिलाड़ी

आठ ठेकेदारों को तकनीकी जाल में फंसाकर किया बाहर

भ्रष्टाचार की बू से महका वन विभाग

शहडोल।

सरकारी तंत्र में पारदर्शिता और ईमानदारी के दावे कितने खोखले होते हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण उत्तर वन मंडल शहडोल में देखने को मिल रहा है। यहां ऑनलाइन निविदा (ऑनलाइन टेंडर) का ढोंग तो रचा जाता है, लेकिन परिणाम पहले से ही विभागीय कमरों में बैठकर लिख दिया जाता है। आलम यह है कि पिछले चार वर्षों से विभाग के गलियारों में केवल एक ही नाम अखिलेश सिंह गूंज रहा है। आखिर ऐसी क्या जादुई शक्ति इस ठेकेदार के पास है कि बाकी तमाम अनुभवी और योग्य ठेकेदार विभाग की नजरों में अयोग्य और तकनीकी रूप से फिसड्डी साबित हो जाते हैं?

तकनीकी बारीकियों का ब्रह्मास्त्र

हाल ही में उत्तर वन मंडल द्वारा उपकरणों की आपूर्ति और भवन निर्माण सामग्री के लिए लगभग डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की निविदा आमंत्रित की गई थी। इस सरकारी बंदरबांट में शामिल होने के लिए कुल 9 ठेकेदारों ने अपनी किस्मत आजमाई। नियम कहते हैं कि यहां स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो सके, लेकिन यहां तो खेल ही निराला है! जब निविदा खुली, तो विभाग के जादूगरों ने ऐसा हाथ दिखाया कि 9 में से 8 ठेकेदार एक झटके में अपात्र घोषित कर दिए गए। सूची पर नजर डालें तो अन्य सभी निविदाकारों के सामने तकनीकी मानकों का पालन न करना का ठप्पा लगा दिया गया। सवाल यह उठता है कि क्या शहडोल के बाकी 8 ठेकेदार इतने नौसिखिए हैं कि उन्हें निविदा की सामान्य शर्तें भी समझ नहीं आतीं या फिर विभाग के सिस्टम ने जानबूझकर ऐसी शर्तें बुनीं, जिनमें सिर्फ उनका पसंदीदा लाडला ही फिट बैठ सके।

सरकारी खजाने पर डाका

पिछले चार सालों का रिकॉर्ड खंगालें तो उत्तर वन मंडल की हर बड़ी फाइल इसी एक ठेकेदार के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। जब एक ही व्यक्ति को बार-बार काम दिया जाता है, तो कार्य की गुणवत्ता और लागत, दोनों पर सवाल उठना लाजमी है। प्रतिस्पर्धा खत्म होने से विभाग को न तो सही दाम मिलते हैं और न ही बेहतर गुणवत्ता। यह सीधे तौर पर जनता की गाढ़ी कमाई और सरकारी खजाने का अपमान है।

डीएफओ साहब अनजान या मौन

सूत्रों की मानें तो इस पूरे खेल की पटकथा विभाग के भीतर बैठे कुछ रसूखदार बाबू और लिपिक लिखते हैं। निविदा की फाइलों में हेरफेर से लेकर तकनीकी जांच के नाम पर विरोधियों को बाहर करने का पूरा ब्लूप्रिंट इन्हीं कमरों में तैयार होता है। चर्चा तो यहां तक है कि विभागीय अधिकारियों और इस चहेते ठेकेदार के बीच का गठजोड़ इतना मजबूत है कि किसी दूसरे की एंट्री की गुंजाइश ही नहीं छोड़ी जाती। सबसे आश्चर्यजनक पहलू यह है कि विभाग के मुखिया यानी डीएफओ (वन मंडल अधिकारी) इस पूरे घटनाक्रम से अनजान बने हुए हैं। यदि उन्हें वाकई जानकारी नहीं है, तो यह उनकी प्रशासनिक अक्षमता है और यदि वे जानकर भी मौन हैं, तो उनकी भूमिका पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं।

भ्रष्टाचार की इस अमरबेल को काटना जरूरी

स्थानीय ठेकेदारों का आरोप है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज और योग्यताएं पूरी करते हैं, लेकिन ऐन वक्त पर कभी तकनीकी त्रुटि तो कभी दस्तावेजी कमी का बहाना बनाकर उन्हें रेस से बाहर कर दिया जाता है। यह धांधली अब महज एक विभागीय मामला नहीं, बल्कि एक बड़े घोटाले की आहट है। अब समय आ गया है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच हो, पिछले चार वर्षों में हुए तमाम टेंडरों की तकनीकी जांच की समीक्षा की जाए। उन बाबुओं और अधिकारियों की संपत्ति की जांच हो जो इस मैनेजमेंट के मास्टरमाइंड हैं। एक ही व्यक्ति को बार-बार काम देने के पीछे के गुप्त समझौतों को बेनकाब किया जाए। उत्तर वन मंडल शहडोल में पारदर्शिता की बलि चढ़ाई जा रही है। यदि शासन-प्रशासन ने इस पर त्वरित संज्ञान नहीं लिया, तो वह दिन दूर नहीं जब वन विभाग के बजट का एक बड़ा हिस्सा इसी तरह मैनेजमेंट की भेंट चढ़ता रहेगा। जनता देख रही है कि कैसे ऑनलाइन निविदा के नाम पर ऑफलाइन भ्रष्टाचार को फलने-फूलने का मौका दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

धनपुरी नगर के विभिन्न वार्डों में किया गया रंग-रोगन कार्य

शहडोल। जिले की मुख्य नगर पालिका अधिकारी धनपुरी सुश्री पूजा बुनकर ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत धनपुरी नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत धनपुरी नगर के विभिन्न वार्डों, रेलवे कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में रंग-रोधन (पेंटिंग) का कार्य कराया गया है, जिससे नगर की सौंदर्यता में वृद्धि हुई है।

बस स्टैंड से हटाया गया अतिक्रमण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार नगर पालिका शहडोल के मैदानी अमले द्वारा बस स्टैंड परिसर में किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। अतिक्रमण हटने से यातायात व्यवस्था और सुगम होगी। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा सार्वजनिक स्थलों पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सडक़ किनारे मिला युवक का शव

ब्यौहारी। थाना अंतर्गत खरपा गांव में शनिवार को उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली। देवलोंद से अपनी बहन के घर बरहों के जश्न में शरीक होने आए 42 वर्षीय बाबूलाल साकेत का शव घर से महज 50 मीटर की दूरी पर सडक़ किनारे पड़ा मिला, लेकिन यह सामान्य मौत नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश की ओर इशारा कर रही है।घटना की सूचना मिलते ही जब परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लेकिन असली सनसनी तब फैली जब पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक के निजी अंग (प्राइवेट पार्ट) पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। चोट की प्रकृति इतनी क्रूर है कि इलाके में लिंचिंग या आपसी रंजिश के चलते हत्या की चर्चाएं जोरों पर हैं। आखिर महज 50 मीटर के दायरे में ऐसा क्या हुआ कि हंसता-खेलता युवक लाश में तब्दील हो गया।हमेशा की तरह पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का झुनझुना थमा रही है। मर्ग कायम कर औपचारिकता तो पूरी कर ली गई है, लेकिन परिजनों का सीधा आरोप है कि बाबूलाल की हत्या की गई है। सवाल यह है कि क्या पुलिस उन अदृश्य कातिलों तक पहुंच पाएगी, जिन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया, या फिर अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधी साफ बच निकलेंगे। फिलहाल, ब्यौहारी पुलिस हर एंगल से जांच का दावा कर रही है, लेकिन निजी अंग पर मिले घाव चीख-चीख कर किसी खौफनाक वारदात की गवाही दे रहे हैं। इलाके में तनाव का माहौल है और जनता इंसाफ का इंतजार कर रही है।

वन विभाग की सुस्ती पर भारी पड़ी अटल कामधेनु की मुस्तैदी

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से सटे कल्याणपुर स्थित केवी स्कूल के समीप उस समय सनसनी फैल गई, जब झाड़ियों के बीच एक लहूलुहान और बेबस बारहसिंगा तड़पता हुआ पाया गया। वन्यजीव को मौत के मुहाने पर देख स्थानीय लोगों के हाथ-पांव फूल गए, लेकिन विभागीय सुस्ती के बीच अटल कामधेनु गौसेवा संस्थान की टीम ने सुपरफास्ट रिस्पॉन्स दिखाकर मिसाल पेश की। संस्थान की टीम ने मौके पर पहुंचकर न केवल भीड़ को संभाला, बल्कि अपनी जान जोखिम में डालकर घायल बारहसिंगा का बेहद सधे हुए अंदाज में रेस्क्यू किया। हैरत की बात यह है कि जब तक वन विभाग का भारी-भरकम अमला नींद से जागकर घटनास्थल पर पहुंचता, तब तक गौसेवा के जांबाज वन्यजीव को काबू में कर उसे प्राथमिक उपचार दे चुके थे। बाद में वन विभाग की मौजूदगी में घायल बारहसिंगा की स्थिति को स्थिर किया गया और उसे उसके प्राकृतिक आवास (जंगल) में सुरक्षित छोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों ने वन विभाग की कछुआ चाल पर तंज कसते हुए अटल कामधेनु संस्थान की जांबाजी को जमकर सराहा। अगर समय पर यह रेस्क्यू नहीं होता, तो कोई बड़ी अनहोनी हो सकती थी।

जिला बास्केटबॉल संघ का ग्रीष्मकालीन कोचिंग कैंप प्रारंभ

खिलाड़ियों को मिल रहा राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण

शहडोल।

जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले ग्रीष्मकालीन बास्केटबॉल कोचिंग कैंप का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कैंप में 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के बालक एवं बालिकाएं भाग लेकर बास्केटबॉल की बारीकियां सीख रहे हैं। कैंप में राष्ट्रीय कोच के.के. श्रीवास्तव द्वारा खिलाड़ियों को ड्रिब्लिंग, पासिंग, फिटनेस, पर्सनालिटी डेवलपमेंट तथा बास्केटबॉल की बेसिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों में खेल कौशल के साथ अनुशासन, टीम भावना एवं आत्मविश्वास का भी विकास किया जा रहा है। जिला बास्केटबॉल संघ ने पिछले वर्षों में खेल क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। गत वर्ष शहडोल में आयोजित राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शहडोल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ओपन स्टेट प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की टीम उपविजेता रही।

राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले के खिलाड़ियों ने सफलता अर्जित की है। पिछले वर्ष अनुष्का करेंगल एवं आराध्या द्विवेदी का चयन ओपन नेशनल बास्केटबॉल टीम के लिए हुआ था। वहीं शहडोल में आयोजित 14 वर्ष बालिका राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी आराध्या द्विवेदी, अनुष्का, पावनी तिवारी, कृपा गुप्ता एवं अवनी गर्ग ने मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की 14 वर्ष बालिका टीम के कोच के रूप में के.के. श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उल्लेखनीय है कि जिला बास्केटबॉल संघ पिछले 32 वर्षों से निरंतर खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रहा है। अब तक लगभग 200 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शहडोल जिले का नाम प्रदेश एवं देश में गौरवान्वित कर चुके हैं। यह कोचिंग कैंप जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

हाईकोर्ट अधिवक्ता ने शहडोल नपा के विरूद्ध मंत्री को भेजी शिकायत

शहडोल नपा के सफेदपोश लुटेरों में हडक़ंप

शहडोल।

कहने को तो यह नगर पालिका है, लेकिन जनता के अनुभव बताते हैं कि यह अवैध वसूली का ऐसा ब्लैक होल बन चुका है जहाँ बिना रिश्वत के ईंट रखना भी मुहाल है। शहर में मकान बनाना अब किसी जंग जीतने से कम नहीं, क्योंकि यहां नक्शा पास कराने से लेकर निर्माण अनुमति तक की फाइलें सरकारी मेजों पर नहीं, बल्कि अवैध कमीशन की तिजोरियों में सरकती हैं। इस भ्रष्टाचार के मकडज़ाल को तोडऩे के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कडक़ मिजाज अधिवक्ता कुमार कार्तिकेय समतानी ने सीधे मंत्रालय का दरवाजा खटखटाया है।

अधिवक्ता समतानी ने नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री को सौंपे अपने शिकायती पत्र में नगर पालिका के अंदर चल रहे अवैध वसूली उद्योग का कच्चा चि_ा खोल दिया है। आरोप है कि नगर पालिका के कुछ बेलगाम अधिकारी और कर्मचारी आम नागरिकों को दीमक की तरह चाट रहे हैं। अगर आपने अवैध धनराशि की मांग पूरी नहीं की, तो आपकी फाइल में इतने अड़ंगे लगा दिए जाएंगे कि आप दफ्तर के चक्कर काटते-काटते अपनी सैंडल घिस देंगे।

शिकायत में यह कड़वा सच उजागर किया गया है कि मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार, जो अपनी जिंदगी भर की पूंजी जोडक़र एक अदद छत बनाना चाहते हैं, उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रशासनिक व्यवस्था की छवि इतनी धूमिल हो चुकी है कि पारदर्शिता अब सिर्फ विज्ञापनों में सिमट कर रह गई है। नक्शा स्वीकृति और निरीक्षण के नाम पर होने वाला यह खेल अब जनहित की सीमाओं को

लांघ चुका है।

जनता के हक की लड़ाई लड़ते हुए अधिवक्ता समतानी ने मंत्री के सामने दो-टूक मांगें रखी हैं, नगर पालिका में व्याप्त इस संगठित लूट की बारीक जांच हो, उगाही करने वाले अधिकारियों को सिर्फ सस्पेंड नहीं, बल्कि बर्खास्त किया जाए, पूरी प्रक्रिया को शत-प्रतिशत ऑनलाइन और पारदर्शी बनाया जाए ताकि बिचौलियों का धंधा बंद हो, फाइल कितने दिन में पास होगी, इसकी समय-सीमा तय हो ताकि बाबू इसे दबाकर न बैठें, 1000 वर्गफुट तक के छोटे निर्माणों के लिए नियमों को लचीला बनाया जाए।

अधिवक्ता की इस शिकायत ने नगर पालिका के भ्रष्टाचार के खिलाडिय़ों की नींद उड़ा दी है। अब देखना यह है कि सत्ता के गलियारों में बैठे जिम्मेदार लोग इस दीमक का इलाज करते हैं या फिर जांच के नाम पर एक और लीपापोती की जाएगी। शहर की जनता अब आर-पार के मूड में है और अधिवक्ता समतानी की इस पहल ने दबे-कुचले नागरिकों को एक नई उम्मीद दी है। साहब याद रखें! जनता टैक्स सुविधाएं पाने के लिए देती है, भ्रष्ट अधिकारियों की तिजोरियां भरने के लिए नहीं।

आधा घंटा तक मची रही चीख-पुकार, गायब रही पेट्रोलिंग

खाकी की नाक के नीचे रणक्षेत्र बना शहडोल

शहडोल। <

शहर की कानून व्यवस्था अब भगवान भरोसे है। शनिवार रात कोतवाली थाने से महज कुछ मीटर की दूरी पर राजेंद्र सिंह क्लिनिक के सामने जो गदर मचा, उसने पुलिसिया गश्त के खोखले दावों की धज्जियां उड़ा दीं। एक मामूली कार-स्कूटी की टक्कर देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई। बीच सडक़ पर दर्जनों युवक एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए, लात-घूंसे चले और चीख-पुकार मचती रही, लेकिन मजाल है कि खाकी की नींद टूटी हो।

गुंडागर्दी का शो-टाइम

तकरीबन आधे घंटे तक मुख्य मार्ग पर तांडव चलता रहा, गाडिय़ों के पहिए थम गए और आम राहगीर दहशत में दुबके रहे। विडंबना देखिए, जिस पुलिस को सुरक्षा का जिम्मा दिया गया है, वह अपने एसी कमरों से बाहर निकलने की जहमत तक नहीं उठा सकी। गश्त का ढोल पीटने वाली पुलिस तब जागी जब स्थानीय युवाओं ने खुद बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। सवाल यह है कि क्या अब शहर की सुरक्षा का ठेका भी आम जनता के भरोसे है?

साहब बुढार में, शहर लावारिस!

सूत्रों की मानें तो शहर में ट्रैफिक और कानून व्यवस्था की लचर स्थिति का बड़ा कारण रिमोट कंट्रोल वाली व्यवस्था है। यातायात प्रभारी का मुख्यालय बुढार होने के कारण शाम ढलते ही शहर लोगों के हवाले हो जाता है। शेर चौक की घटना के बाद यह दूसरी बड़ी वारदात है, जहां पुलिस की सुस्ती ने अपराधियों के हौसले बुलंद किए हैं। कोतवाली पुलिस का घिसा-पिटा जवाब है कि टीम गई थी, लेकिन सच तो यह है कि जब तक पुलिस पहुंची, तमाशा खत्म हो चुका था।

तपती गर्मी में अमृत पिला रही नगर पालिका

शहर के 7 प्रमुख ठिकानों पर खुले सार्वजनिक प्याऊ

सीएमओ की पारदर्शिता ने जीती शहरवासियों की वाहवाही

शहडोल।

सूर्यदेव के तीखे तेवरों और आसमान से बरसती आग के बीच नगर पालिका परिषद शहडोल ने आमजन को बड़ी राहत दी है। भीषण गर्मी को देखते हुए शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल केंद्रों (प्याऊ) की शुरुआत की गई है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में शुरू हुई इस व्यवस्था ने राहगीरों और यात्रियों को तपती दोपहर में बड़ी संजीवनी दी है।

जमीन पर दिख रहे प्याऊ

नगर पालिका की इस पहल में सबसे खास और सुखद बात इस बार की पारदर्शिता है। बीते वर्षों में अक्सर यह चर्चा रहती थी कि प्याऊ सिर्फ कागजों और बिलों तक

सीमित रह जाते थे, लेकिन वर्तमान मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने इस परंपरा को बदलते हुए न केवल प्याऊ खुलवाए, बल्कि उनके सटीक स्थानों की जानकारी भी सार्वजनिक की है। उनकी इस कार्यशैली की नगर में जमकर तारीफ हो रही है, क्योंकि अब जनता को पता है कि प्यास बुझाने के लिए उन्हें कहां जाना है।

इन स्थानों पर मिलेगी शीतलता

सीएमओ श्रीमती भंडारी के कुशल प्रबंधन में नगर पालिका ने जय स्तंभ चौक, रैन बसेरा, कलेक्ट्रेट परिसर, सोहागपुर रामलीला मंच, भूसा तिराहा, पुराने नगर पालिका कार्यालय के सामने और नए बस स्टैंड (गंज) पर प्याऊ केंद्र स्थापित किए हैं। सीएमओ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इन केंद्रों पर साफ-सफाई और पानी की उपलब्धता में रत्ती भर भी कोताही न बरती जाए। नगरवासियों का कहना है कि प्रशासन का यह मानवीय चेहरा और श्रीमती भंडारी की सक्रियता वास्तव में सराहनीय है। इस पारदर्शिता ने न केवल प्याऊ के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म की है, बल्कि सही मायने में जनसेवा को धरातल पर उतारा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में बाजी मारने को तैयार धनपुरी सीएमओ पूजा बनाकर खुद मैदान में उतरीं

धनपुरी।

नगर पालिका धनपुरी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारीसुश्री पूजा बनाकर के नेतृत्व में पूरा अमला शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में दिन-रात जुटा हुआ है। खास बात यह है कि स्वयं सीएमओ पूजा बुनकर मैदान में उतरकर सफाई कार्यों की मॉनिटरिंग कर रही हैं, जिससे कर्मचारियों का उत्साह भी बढ़ा है।

रविवार देर शाम सुश्री पूजा बनाकर ने सफाई दल के साथ शहर के विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया और मौके पर ही सफाई कार्यों को गति दी। उन्होंने नालियों की विशेष सफाई करवाई, साथ ही उनमें कैमिकल का छिडक़ाव भी कराया, ताकि दुर्गंध और गंदगी पर नियंत्रण पाया जा सके। प्रमुख चौराहों और मार्गों पर साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन का कार्य भी कराया गया है, जिससे शहर की तस्वीर बदलती नजर आ रही है। नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी लगातार की जा रही है। छोटे-छोटे स्तर पर की गई इन कार्रवाइयों का असर अब साफ दिखाई देने लगा है।

साथ ही नागरिकों को जागरूक करने के लिए घर-घर कचरा रखने के डब्बे वितरित किए गए हैं और अपील की जा रही है कि कचरा इधर-उधर न फेंककर निर्धारित स्थान पर ही रखें।

धनपुरी से बुढार जाने वाले मार्ग का विशेष रूप से सौंदर्यीकरण किया गया है। सडक़ किनारे साफ-सफाई, पेंटिंग और हरियाली के प्रयासों ने इस मार्ग को आकर्षक बना दिया है। नगर पालिका की टीम ने कचरा संग्रहण व्यवस्था को भी मजबूत किया है, जिसमें डोर-टू-डोर कलेक्शन, कचरा वाहनों की नियमित आवाजाही और कचरे के निष्पादन के लिए प्लांट की स्थापना शामिल है।

सीएमओ पूजा बनाकर ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में धनपुरी को प्रदेश की अग्रिम पंक्ति में लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए हर स्तर पर सुधार कार्य किए जा रहे हैं और नागरिकों का सहयोग भी अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। नगर में चल रहे इन व्यापक प्रयासों को देखते हुए यह उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार धनपुरी नगर पालिका स्वच्छ सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश में अपनी मजबूत पहचान बना सकती है।

खबर संक्षेप

डॉक्टर कुंवर विजय शाह एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम

उमरिया। जन जातीय कार्य , लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग डॉक्टर कुँवर विजय शाह एक दिवसीय भ्रमण 5 मई को बांधवगढ़ आएंगे। श्री शाह 5 मई को दोपहर 1 बजे कार द्वारा जबलपुर हवाई पट्टी से प्रस्थान कर सायं 4 बजे बांधवगढ़ आएंगे। जहां स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। रात्रि 9.30 बजे बांधवगढ़ से कटनी के लिए प्रस्थान करेंगे।

भीषण गर्मी के कारण लोगों का बुरा हाल

कोतमा। वर्तमान में पड रही भीषण गर्मी के कारण लोगों का हाल बुरा है। पड़ रही गर्मी के कारण पंखे कूलर भी काम नहीं कर रहे हैं। बार-बार मौसम में भी परिवर्तन हो रहा है कभी आसमान में घने काले बादल छाए रहते हैं तो कभी आसमान से आंग उगलते सूर्य देव की तपिश से लोगों का हाल बेहाल है। ऐसे में डॉक्टरों की सलाह से ही लोगों को अपनी दिनचर्या शुरू करनी चाहिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आयुष चिकित्सा अधिकारी डां संगीता प्रजापति का कहना है कि बीमारियों से बचना चाहते हैं तो जरूरी है कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखें मौसम परिवर्तित होने पर सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है हमारे दिनचर्या का रहन-सहन और आहार का उचित प्रयोग हमें स्वस्थ रख सकता है। ग्रीष्म ऋतु में हल्के सूती वस्त्रो का प्रयोग करें। पानी का सेवन अधिक से अधिक करना चाहिए। घर से बाहर खाली पेट ना निकले सर और शरीर को ढक कर निकलना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार चोकर रहित अनाज जैसे गेहूं, ज्वार, बाजरा, मक्का, सत्तू का सेवन करना चाहिए। रसदार मौसमी फलों जैसे संतरा, खरबूज, तरबूज, खीरा, ककड़ी, आम के रस का सेवन शरीर में होने वाली डिहाइड्रेशन से बचाव करेगा। अंकुरित अनाज मूंग चना का भरपूर मात्रा में सेवन करें। सलाद में ककड़ी, टमाटर, मूली, गाजर, प्याज, चुकंदर का सेवन करें। ग्रीष्म ऋतु में अतिसार या दस्त होने पर जीरा, अजवाइन, काला नमक का पाउडर ढेड चम्मच पानी में मिलाकर सेवन करें। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने के लिए च्यवनप्राश का सेवन लाभदायक है प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

पशुओं में एंथ्रेक्स टीकाकरण हेतु कर्मचारियों की लगाई गई ड्यूटी

उमरिया। विकासखण्ड मानपुर में ताला अंतर्गत एक हाथी की मृत्यु एंथ्रेक्स बीमारी के कारण होना पाया गया है। एंथ्रेक्स एक बहुत ही गंभीर बीमारी है जो कि पशुओं में फैलती हैं और साथ ही मनुष्यों में भी फैलती है जिसके बचाव के लिए समस्त प्रभावित गांव में पशुओं में एंथ्रेक्स टीकाकरण हेतु आदेश जारी किए गए है। वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त आदेश अनुसार कर्मचारियों की ड्यूटी टीकाकरण हेतु लगाई गई है। जारी आदेश में 3 दिवस के अंदर दिए गए गांव अनुसार समस्त गौवंश एवं भैंसवंश में एंथ्रेक्स टीकाकरण कार्य करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

बांधवगढ़ में एंथ्रेक्स अलर्ट, हेल्थ कैंप आयोजित

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मादा हाथी की मृत्यु के बाद एंथ्रेक्स की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इसी क्रम में आज आरआरटी (रैपिड रिस्पॉन्स टीम) द्वारा ताला क्षेत्र में मावतों एवं संबंधित कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण और प्रशिक्षण के लिए ड्यूटी लगाई गई।जिले से आरआरटी टीम में जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी, जिला माइक्रोबायोलॉजिस्ट लाल सिंह तथा आईडीएसपी के जिला डाटा मैनेजर सुधीर प्रसाद सोनी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। बांधवगढ़ ताला के इको सेंटर में क्षेत्र संचालक एम.पी. सिंह, सहायक संचालक डी.के. मराठा और वन परिक्षेत्र अधिकारी राहुल किरार की उपस्थिति में हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। मानपुर विकासखंड से डॉ. देवानंद रैदास (चिकित्सक), विनय गुप्ता (फार्मासिस्ट), एएनएम सुषमा पाण्डेय एवं आशा कार्यकर्ता प्रिया साहू भी मौजूद रहीं। इस दौरान कर्मचारियों के ब्लड सैंपल लिए गए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार फिलहाल सभी कर्मचारी स्वस्थ पाए गए हैं, हालांकि एहतियात के तौर पर निगरानी जारी रखी जा रही है।

बाजार से लौट रहे सराफा कारोबारी से सरेराह लूट

उमरिया। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए बेखौफ बदमाशों ने शनिवार शाम एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। जब पूरा महकमा शायद चैन की नींद सो रहा था, तब तीन बाइक सवार बदमाशों ने अमरपुर-पनपथा रोड को अपना शिकारगाह बना लिया। सोने-चांदी की फेरी करने वाले व्यापारी संतोष सोनी को न सिर्फ लूटा गया, बल्कि बदमाशों की बेरहमी ने उन्हें सडक पर लहूलुहान छोड़ दिया।

सब्जी लेने पहुंचे लोग, साथ में बीमारियों का खतरा भी

गंदगी के बीच सजता साप्ताहिक बाजार

रेलवे स्टेशन के पीछे सिंधी बाजार से विक्रमपुर मार्ग तक नालियां उफान पर कचरे के ढेर और बदबू से परेशान व्यापारी व ग्रामीण

बुढार।

नगर परिषद बुढार क्षेत्र में लगने वाला साप्ताहिक बुधवार बाजार इन दिनों अव्यवस्थाओं और गंदगी का केंद्र बन गया है। रेलवे स्टेशन के दूसरी ओर सिंधी बाजार से लेकर विक्रमपुर मार्ग तक फैला यह बाजार न केवल बुढार बल्कि आस-पास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए मुख्य खरीदारी स्थल है। हर बुधवार यहां सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और व्यापारी पहुंचते हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर उन्हें सिर्फ गंदगी, बदबू और बीमारियों का खतरा मिल रहा है। प्राप्त तस्वीरों और मौके के हालातों से साफ जाहिर होता है कि बाजार स्थल पर जगह-जगह गंदे पानी का जमाव है। नालियां ओवरफ्लो होकर सडक़ पर बह रही हैं, जिनमें प्लास्टिक, सड़ा कचरा और गंदगी भरी पड़ी है। लोग इसी गंदे पानी के बीच से होकर सब्जियां और अन्य सामान खरीदने को मजबूर हैं। कई जगहों पर तो व्यापारी खुद नालियों के किनारे और गंदगी के बीच बैठकर सामान बेच रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां वर्षों से बाजार लग रहा है, लेकिन नगर परिषद द्वारा साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था नहीं की गई। हैरानी की बात यह है कि जहां स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शहरों को स्वच्छ बनाने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं बुढार में यह अभियान सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ रहा है।

बैठने तक की सुरक्षित व्यवस्था नहीं

तस्वीरों में साफ दिखता है कि व्यापारी जमीन पर प्लास्टिक या कपड़ा बिछाकर बैठे हैं, लेकिन वह जगह भी सुरक्षित नहीं है। नीचे गीली मिट्टी, गंदा पानी और कचरा भरा हुआ है। ऐसे हालात में खाद्य सामग्री की स्वच्छता पर भी सवाल उठना लाजमी है। ग्राहक भी मजबूरी में इसी माहौल में खरीदारी कर रहे हैं।

बरसात में हालात होंगे बदतर

स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों का कहना है कि अभी तो गर्मी का मौसम है, फिर भी इतनी गंदगी और जलभराव है। आने वाले बारिश के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाएगी। पूरा बाजार कीचड़ और नालियों के पानी में डूब जाएगा, जिससे व्यापार करना और खरीदारी करना दोनों मुश्किल हो जाएगा।

ट्रैफिक और अव्यवस्था का भी संकट

बाजार सडक़ किनारे लगने के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। बुधवार को यह समस्या और बढ़ जाती है। पहले यह बाजार रेलवे मार्केट में व्यवस्थित रूप से लगता था, लेकिन उसे हटाकर बस स्टैंड के पीछे भेजा गया और अब फिर से सडक़ पर ही अनियंत्रित तरीके से लग रहा है।

स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

गंदगी और बदबू के बीच खाद्य सामग्री बिकना सीधे तौर पर स्वास्थ्य के लिए खतरा है। खुले में बहती नालियां, सड़े कचरे के ढेर और मक्खियों की भरमार से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे सब्जी लेने आते हैं, लेकिन बीमारियां साथ लेकर लौटने का डर बना रहता है।

नगर परिषद पर उठे सवाल

इस पूरे मामले में नगर परिषद बुढार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बाजार से वसूली तो की जाती है, लेकिन सुविधाओं और सफाई के नाम पर कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। न तो नियमित सफाई होती है और न ही जल निकासी की उचित व्यवस्था है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने मांग की है कि बुढार में एक व्यवस्थित और सुविधायुक्त स्थायी सब्जी मंडी बनाई जाए, जहां साफ-सफाई, पानी निकासी, बैठने की व्यवस्था और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे न केवल व्यापार को बढ़ावा मिलेगा बल्कि लोगों को भी सुरक्षित वातावरण में खरीदारी करने का अवसर मिलेगा। बुढार का यह साप्ताहिक बाजार आज भी अव्यवस्था और गंदगी की मार झेल रहा है। स्वच्छता अभियान के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। यदि समय रहते नगर परिषद ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो यह बाजार सुविधा के बजाय बीमारी का बड़ा केंद्र बन सकता है।

कागजों पर चमचमाता डैम असलियत में मिट्टी का ढेर

कठार के नाले में बह गए जनता के 15 लाख

मानपुर।

सरकारी खजाने को दीमक की तरह चाट रहे भ्रष्ट तंत्र का एक वीभत्स चेहरा जनपद पंचायत मानपुर के ग्राम पंचायत कठार (भरमिला) में उभर कर सामने आया है। यहां कुशाहार नाला पर राम कमल पटेल के खेत के पास बना सीसी चेक डैम विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि सरपंच, सचिव और उपयंत्री की जुगलबंदी और जेब भरो नीति का जीता-जागता स्मारक बन गया है। 15 लाख की लागत से बनने वाला यह डैम निर्माण के साथ ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है, जिसे देखकर ऐसा लगता है कि निर्माण सामग्री के नाम पर सिर्फ औपचारिकता की गई है।

स्टीमेट का उड़ाया मजाक

इस तथाकथित विकास कार्य (स्वीकृति क्रमांकः 1740001/2023/2024) के लिए सरकार ने 14 लाख 98 हजार 577 रुपए की भारी-भरकम राशि मंजूर की थी। तकनीकी स्वीकृति के अनुसार यहां गुणवत्तापूर्ण सीमेंट, बालू और छड़ों का जाल बिछना था, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि मौके पर मुश्किल से ढाई-तीन लाख रुपए का माल झोंककर इतिश्री कर ली गई।

भ्रष्टाचार का स्टीमेट बनाम हकीकत

सरकारी आंकड़ों और स्टीमेट के अनुसार इस कार्य में जो सामग्री लगनी थी और जो खेल हुआ, वह चौकाने वाला है, स्टीमेट में 5 लाख 31 हजार 210 रुपए की सीमेंट (मात्रा 83.0016) लगनी थी, लेकिन मौके पर घटिया सामग्री की परतें खुद-ब-खुद भ्रष्टाचार की कहानी कह रही हैं। टीएस के अनुसार1 लाख 63 हजार 643 रुपए की स्टील बार्स और 1 लाख 31 हजार 172 रुपए के डिफॉर्म्ड बार्स लगने थे, पर डैम की मजबूती भगवान भरोसे है। सीसी 1:2:4 के लिए 9 लाख 52 हजार 7 रुपए का प्रावधान था, जिसे सचिव और सरपंच ने मिलकर कागजों पर ही ठिकाने लगा दिया। स्थानीय गरीबों के लिए 2 लाख 7 हजार 560 रुपए की अकुशल मजदूरी तय थी, लेकिन मशीनों से काम करवाकर मजदूरों के पेट पर लात मारी गई।

मजदूरों का हक डकार गई मशीनें

नियम कहते हैं कि मनरेगा के इस कार्य में स्थानीय मजदूरों को पसीना बहाना था, ताकि उनके घर का चूल्हा जल सके, लेकिन यहां तो निर्माण एजेंसी ने अंधेरी रातों में मशीनों से काम करवाकर चोरी और सीनाजोरी की मिसाल पेश की है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि यह सारा काला कारनामा उपयंत्री प्रदीप उदाम के संरक्षण में फला-फूला है। जब साहब से जवाब मांगा गया, तो उन्होंने छुट्टी और मूल्यांकन न होने का पुराना राग अलाप कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

पुष्पेंद्र की ऑफ रिकॉर्ड ठेकेदारी

पंचायत में कहने को तो सरपंच श्रीमती रीता पटेल हैं, लेकिन चर्चा है कि उनकी सरपंची की कमान बृज बिहारी पटेल संभालते हैं। भ्रष्टाचार के इस खेल में एक और किरदार पुष्पेंद्र का नाम उभर कर सामने आ रहा है, बताया जा रहा है कि इस पूरे निर्माण कार्य में ऑफ रिकॉर्ड ठेकेदारी इसी व्यक्ति द्वारा की गई है। अफसरों, पंचायत प्रतिनिधियों और इस बिचौलिए ठेकेदार की तिकड़ी ने मिलकर सरकारी धन की ऐसी बंदरबांट की है कि नाले का पानी रुकने से पहले जनता का भरोसा बह गया।

निष्पक्ष जांच हो तो खुलेगी कलई

क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि अगर ईमानदारी से सामग्री की गुणवत्ता और मास्टर रोल की जांच हुई, तो भ्रष्टाचार की कलई खुलने में देर नहीं लगेगी।अब देखना यह है कि संवेदनशील प्रशासन इन सफेदपोश लुटेरों पर नकेल कसता है या फिर भ्रष्टाचार का यह नाला ऐसे ही बहता रहेगा।

न फोन उठा, न जवाब मिला

भ्रष्टाचार की इस गूंज के बीच जब प्रशासन का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो जिम्मेदार मौन व्रत धारण किए मिले। जनपद सीईओ अंकित सिरोठिया और एसडीओ शैलेंद्र सिंह को बार-बार फोन लगाया गया, लेकिन साहबों ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। शायद अफसरों की यह खामोशी ही भ्रष्टाचारियों का सबसे बड़ा हौसला है।

इनका कहना है...

अभी हम जानकारी एकत्रित कर लें, इसके बाद आपको हम बताते हैं, इसके बावजूद भी कई बार फोन लगाया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं किया गया।

श्रीमती रीता पटेल
सरपंच ग्राम पंचायत कठार

मकान सूचीकरण कार्य का जनगणना नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

उमरिया। आगामी जनगणना कार्य के तहत जिले में चल रहे मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) कार्य का जनगणना नोडल अधिकारी प्रत्यूष श्रीवास्तव द्वारा ग्राम नयागांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदानी स्तर पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नोडल अधिकारी ने घर-घर जाकर भरे जा रहे प्रपत्रों का अवलोकन किया और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवार की सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण किया जाए तथा डाटा की शुद्धता और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। साथ ही उन्होंने प्रगणकों को प्रशिक्षण में दी गई जानकारी के अनुसार कार्य करने और आम नागरिकों से सहयोगात्मक व्यवहार रखने की सलाह दी। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा संबंधित विभागीय अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

थाना बिजुरी पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध की कार्यवाही

हरिभूमि न्युज बिजुरी।

थाना बिजुरी पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। घटना विवरण इस प्रकार है कि 1 मई को वाहन चेकिंग के दौरान थाना बिजुरी को विश्वनीय मुखबिर सूचना मिली कि संदेही राहुल यादव अपनी मोटरसाइकिल से अवैध गाजा परिवहन कर रहा है जिसे पुलिस द्वारा घेराबंदी कर बस स्टैंड बिजुरी में पकड़ा गया है जिसके पास अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ जिसे मौके से ज़ब्त किया जाकर उपरोक्त आरोपी की गिरफ्तारी की गई है और आरोपी को न्यायालय न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। राहुल यादव पिता राघवदीन यादव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम रजबंध, चौकी केशवाही, थाना बुढार, जिला शहडोल (म.प्र.) आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। कुल मादक पदार्थ (गांजा) 1 किलो 308 ग्राम अनुमानित कीमत 20,000 मोटरसाइकिल (अनुमानित कीमत) 40,000। थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक विपुल शुक्ला, आरक्षक 502 विश्वजीत मिश्रा, आरक्षक 528 प्रभाकर त्रिपाठी, चालक आरक्षक 285 कर्मजीत सिंह, साइबर सेल प्रभारी प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार की भूमिका रही।

पसान में शुरू हुआ जनगणना का प्रथम चरण, घर-घर पहुंच रही टीम

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

नगर पालिका पसान अंतर्गत सर्किल क्रमांक 'ए' में जनगणना के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं नंबरिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रगणक दल घर-घर पहुंचकर मकानों का सत्यापन, सूचीकरण और क्रमांक अंकन कर रहा है। इस कार्य में प्रगणक राम नारायण पनिका, श्रीमती चंद्रावती कुशवाहा, जमुना प्रसाद सोनी, अनुभव त्रिपाठी, श्रीमती साधना सिंह सक्रिय रूप से जुटे हैं। संपूर्ण कार्य सुपरवाइजर महेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। प्रगणक दल प्रत्येक घर, भवन और प्रतिष्ठान की जानकारी संकलित कर रहा है। मकानों की नंबरिंग के साथ भवन की स्थिति, उपयोग और मूलभूत सुविधाओं का विवरण भी दर्ज किया जा रहा है। यह कार्य आगामी जनगणना के लिए आधार तैयार करेगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना दल को सही जानकारी देकर सहयोग करें। जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की शासकीय योजनाओं, नगरीय विकास, पेयजल, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बैशाख पूर्णिमा के पावन पर्व पर किया गया माँ नर्मदा तट में रेवा सेवा समागम का आयोजन

हरिभूमि न्युज अनूपपुर।

मुख्यमंत्री के आह्वान पर जल गंगा सवंर्धन अभियान के तहत नर्मदा तटीय जिले के नर्मदा तटीय ग्रामो में घाट समागम का आयोजन स्वैच्छिकता, सामूहिकता के आधार पर किया गया। यह कार्यक्रम जनसहभागिता से क्षेत्र के स्थानीय लोगों के साथ संवाद स्थापित करने एवं उन्हें नर्मदा संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मई 2026 से मार्च 2027 तक प्रत्येक माह की पूर्णिमा को माँ नर्मदा के उत्तर एवं दक्षिणी तट के अलग-अलग घाट पर समानांतर आयोजित किये जायेगे। अतः रेवा सेवा समागम (घाट उत्सव) का आयोजन जिले में बैशाख पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदा तट शीशम घाट बसंतपुर, बेलघाट पड़रिया, हर्राटोला बरसोत घाट में आयोजित किया गया जिसके तहत माँ नर्मदा के तटों पर सामूहिक स्वच्छता श्रमदान, संगोष्ठी, अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की नवांकुर, प्रस्फुटन समिति के सदस्य व सीएमसीएलडीपी छात्रों स्थानीय ग्रामीणों ने सहभागिता की।

विपरीत परिस्थितियों से समाधान पाने के लिए टेली मानस में कर सकते हैं कॉल

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं मनोरोग चिकित्सक डॉ.व्ही.एस . चंदेल ने कहा है कि उदासी, चिंता, तनाव, नींद की समस्या, नशे से संबंधित समस्या, रिश्तो में परेशानी, किशोर किशोरियों में परीक्षा के परिणाम का तनाव, परिवार से जुड़ी समस्याएं, याददाश्त से जुड़े मुद्दे, पैसों की चिंता या अन्य आत्महत्या से जुड़े विचार मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं जैसी विपरीत परिस्थितियों से समाधान पाने के लिए अब टैली मानस को कॉल किया जा सकता है।उन्होने बताया कि यह टोल फ्री नंबर 24 घंटे उपलब्ध है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए जिला चिकित्सालय में मनकक्ष स्थापित किया गया है जहां पर परामर्शदाताओं के द्वारा परामर्श सुविधा प्रदान की जा रही है, साथ ही टैली मानस टोल फ्री नंबर 14416 पर कॉल कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते है।

खबर संक्षेप

विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित नेत्र शिविर का उठाएं लाभ- डॉ जनक सारीवान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में पदस्थ नेत्र सर्जन और रेटिना विशेषज्ञ डॉ जनक सारीवान ने विश्व रेड क्रॉस दिवस 8 मई के अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के दिशा-निर्देशन में जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान, नेत्र शिविर तथा एनसीडी स्क्रीनिंग कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान जिले के नागरिकों से किया गया है। उन्होंने जिले भर के नागरिको से अपने आसपास के नेत्र विकार तथा एमसीडी स्क्रीनिंग के जरूरतमंद लोगों को प्रेरित करने तथा पीड़ति मानवता की सदाशयता के लिए अधिक से अधिक रक्तदान हेतु जन जागरूकता की अपील की है। उन्होंने बताया है कि 8 मई विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में आयोजित नेत्र शिविर में आंखों की जांच निःशुल्क दवाइयों का प्रदाय तथा नेत्र विकार सर्जरी (ऑपरेशन) हेतु चिन्ह्यांकन किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि अत्याधुनिक मशीनों के द्वारा नेत्र जांच की जाएगी। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में पदस्थ नेत्र सर्जन और रेटिना विशेषज्ञ डॉ जनक सारीवान विश्व रेड क्रॉस दिवस 8 मई के अवसर पर आयोजित नेत्र शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील नागरिकों से की गई है।

कक्षा 9वीं, 11वीं की द्वितीय परीक्षा 3 जून से

कटनी। स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी है। कक्षा 9वीं की परीक्षा 3 जून से शुरू होगी और 12 जून तक चलेगी, जबकि कक्षा 11वीं की द्वितीय परीक्षा भी 3 जून से शुरू होगी और 13 जून को समाप्त होगी। परीक्षा को लेकर संचालनालय द्वारा दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। वार्षिक परीक्षा में एक या एक से अधिक विषयों में अनुपस्थित,अनुत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। कक्षा 9वीं में गणित विषय की परीक्षा विद्यार्थियों द्वारा माध्यमिक शिक्षा मण्डल के नामांकन में चयनित Standard गणित , Basic गणित के अनुसार आयोजित की जाएगी।

किसानों को उद्यानिकी योजनाओं की दी जानकारी

कटनी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड रीठी के ग्राम पंचायत भवन घोगरा में कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर कृषक चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें रीठी और बिलहरी क्लस्टर के बड़ी संख्या में किसान सम्मिलित हुए। चौपाल के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित कृषकों को फलोद्यान रोपण, पीडीएमसी, सब्जी एवं मसाला क्षेत्र विस्तार, यंत्रीकरण व सुरक्षा, स्प्रेयर पंप और मल्चिंग तकनीक की जानकारी दी। अधिकारियों ने किसानों से आग्रह किया कि वे परंपरागत खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाएं। सरकार द्वारा इन योजनाओं पर दिए जा रहे अनुदान और तकनीकी सहायता का लाभ उठाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं। चौपाल के अंत में किसानों की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

मकान सूचीकरण व गणना का सौ-फीसदी सर्वे पूर्ण

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में 1 मई से जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण का कार्य प्रारंभ है।इसी कड़ी विकासखंड बड़वारामें ग्राम महगवां के जनगणना ब्लॉक संख्या 0156 के अधीन तैनात प्रगणक विजेन्द्र नाथ बसक (शिक्षक, प्राथमिक शाला महगवां) द्वारा मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का सौ-फीसदी सर्वे कार्य पूरा कर लिया गया है। कलेक्टएर आशीष तिवारी ने जिले में शिक्षक बसक द्वारा सौ-फीसदी मकान सूचीकरण का कार्य पूरा करने के मामले में जिले के पहले प्रगणक बनने पर सराहना करते हुये अन्य जनगणना प्रगणकों को भी इनका अनुकरण कर बेहतर कार्य की सीख लेने की बात कही है।

अमरकंटक में चंदन का पेड़ काटकर ले गए चोर

सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक एक बार फिर चोरी की गंभीर घटना से दहल उठी है। नारायण आश्रम परिसर से बहुमूल्य सफेद चंदन का पेड़ अज्ञात चोरों द्वारा काटकर चोरी कर लिया गया। यह घटना न केवल आश्रम प्रबंधन बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय बन गई है। भीड़भाड़ के बीच हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है और स्थानीय लोगों में भय व आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। पवित्र नगरी अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 14 स्थित माई की बगिया मार्ग से लगे पुराने नारायण आश्रम में 29-30 अप्रैल की मध्यरात्रि एक सुनियोजित चोरी की वारदात सामने आई है। आश्रम परिसर में वर्षों से सुरक्षित रखा गया लगभग 11-12 वर्ष पुराना सफेद चंदन का वृक्ष अज्ञात चोरों द्वारा काटकर ले जाया गया। जानकारी के अनुसार चोरों ने पहले आश्रम की बाड़ी की फेंसिंग काटी और फिर आरी मशीन की सहायता से पेड़ को जड़ के पास से काटकर मौके से फरार हो गए। हैरानी की बात यह है कि घटना के समय आसपास मेले जैसा माहौल था, बावजूद इसके किसी को भनक तक नहीं लगी। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। महंत प्रीतम गिरि महाराज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र में पहले भी चंदन चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो जाता है।

फेंसिंग काटकर सुनियोजित तरीके से की गई चोरी

चोरों ने इस वारदात को अंजाम देने के लिए पूरी तैयारी की थी। सबसे पहले उन्होंने आश्रम परिसर की सुरक्षा फेंसिंग को काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद आरी मशीन की सहायता से चंदन के पेड़ को जड़ के पास से काटा गया। यह पूरी प्रक्रिया इतनी सटीक और शांत तरीके से की गई कि आसपास मौजूद लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे स्पष्ट होता है कि चोर पेशेवर थे और उन्हें क्षेत्र की स्थिति की पूरी जानकारी थी। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी को उजागर कर दिया है।

चौथी घटना से बढ़ी चिंता, सुरक्षा पर उठे सवाल

अमरकंटक क्षेत्र में चंदन चोरी की यह चौथी घटना बताई जा रही है। इससे पहले भी वन विद्यालय, डाकघर क्षेत्र और शासकीय उद्यान से चंदन के पेड़ चोरी हो चुके हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों और आश्रम प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं और बढ़ सकती हैं, जिससे क्षेत्र की धार्मिक गरिमा भी प्रभावित होगी।

मेले की भीड़ का उठाया फायदा

घटना के समय आश्रम के आसपास मेले जैसा माहौल था और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। चोरों ने इसी भीड़भाड़ का फायदा उठाकर इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। भीड़ के कारण किसी को भी संदेह नहीं हुआ और चोर आसानी से अपना काम करके निकल गए। यह स्थिति दर्शाती है कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि सतर्कता बरती जाती तो इस घटना को रोका जा सकता था।

लाडली लक्ष्मी उत्सव में नगर परिषद की अनूठी पहल बेटियों ने लगाए पौधे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा शनिवार को स्थानीय वार्ड क्रमांक 11 शिव मंदिर के पास लाडली वाटिका में लाडली लक्ष्मी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण एक पेड़ लाड़ली के नाम अभियान रहा। जिसके अंतर्गत लाडली बालिकाओं और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया। पर्यावरण और लाडली का संगम नगर परिषद के मुख्य नगर परिषद अधिकारी लखन लाल पनिका ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत न केवल बेटियों को सशक्त बनाया जा रहा है। बल्कि लाडली उत्सव के माध्यम से पर्यावरण के प्रति भी जागरूकता फैलाई जा रही है। इस दौरान लाडली वाटिका में छायेदार एवं फलदार पौधों में नीम, पीपल, बरगद, पपीता, अमरूद व अन्य पौधे लगाए गए। जिसे भविष्य में छाया तथा फल भी प्राप्त हो सके। मौके से उपस्थित हर बेटी ने एक पौधा रोपा और उसकी देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनगवां (राजनगर), परिषद के पार्षदगण, नगर परिषद के कर्मचारी गण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और लाडली बालिकाओं के साथ बड़ी संख्या में नगरवासी एवं जनप्रतिनिधि, स्थानीय पत्रकार गणो ने इस अभियान में अपनी सहभागिता निभाई और उनके द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद समय लाल पटेल, वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद गिरजा विश्वकर्मा, वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद पति जितेंद्र पनिका, धर्मेंद्र सिंह (अध्यक्ष) पिछड़ा मोर्चा व नगर के उपस्थित पत्रकारों में वरिष्ठ पत्रकार समर बहादुर सिंह, मनीष सिंह, अखंड प्रताप सिंह व सिद्धार्थ पटेल उपस्थित रहे इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर परिषद कर्मचारीयो का योगदान रहा।

जिलाअध्यक्ष पद पर अमित शुक्ला निर्विरोध निर्वाचित

सौहार्द्रपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ निर्वाचन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला इकाई के अध्यक्ष पद हेतु निर्वाचन प्रक्रिया 03 मई रविवार को बंकिम बिहार जमुना कालरी में दोपहर 1 बजे सदस्यों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश मिश्रा के दिशा-निर्देशानुसार और सहायक निर्वाचन अधिकारी कैलाश पाण्डेय द्वारा पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमावली के अनुरूप संपादित की गई। निर्वाचन में उपस्थित समस्त सदस्यों की सर्वसम्मति से अमित शुक्ला को निर्विरोध जिला इकाई अनूपपुर का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन उपरांत नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमित शुक्ला ने साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संगठन के साथियों के विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। आज निर्वाचन के दौरान जिला इकाई अनूपपुर की कार्यकारिणी मे संरक्षक मंडल के अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल, जिला कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा, समाज कल्याण प्रकोष्ठ जिलाअध्यक्ष अंकित शुक्ला, विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष एडवोकेट शारदा प्रसाद शर्मा, उपाध्यक्ष पद पर संदीप द्विवेदी, चंदन केवट, शैलेंद्र द्विवेदी, धर्मेंद्र कान्त तिवारी, महासचिव श्रवण उपाध्याय, कोषाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, जिला संगठन मंत्री संतोष मिश्रा, जिला प्रवक्ता भगवान दास मिश्रा, जिला कार्यालय मंत्री बृजेश राठौर, सह सचिव अधिक लाल यादव, अमित तिवारी निर्वाचन संपन्न हुआ।

राहगीरी डे आजः स्वच्छता की राह पर स्वास्थ्य का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने हेतु निरंतर जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार 3 मई 2026 को प्रातः 7:00 बजे से 8:30 बजे तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड अंतर्गत बरही रोड स्थित दुबे कॉलोनी मोड़ से दुर्गा चौक तक "राहगीरी डे" का आयोजन किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। निगम प्रशासन का मानना है कि स्वच्छ वातावरण और नियमित शारीरिक गतिविधियां स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। इसी सोच के साथ "राहगीरी डे" को स्वच्छता, फिटनेस एवं सामाजिक सहभागिता के साझा मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है।

विभिन्न मनोरंजक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियां

कार्यक्रम के दौरान योग, जुंबा, म्यूजिकल चेयर, गिटार एवं संगीत कार्यक्रम, ड्राइंग-पेंटिंग प्रतियोगिता, रस्साकशी, चम्मच-नींबू दौड़, लंगड़ी, शतरंज, कैरम, सांप-सीढ़ी, स्केटिंग एवं साइकिल रेस जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त नुक्कड़ नाटक, रंगोली, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। हॉर्स राइडिंग जैसी आकर्षक गतिविधियां भी आयोजन का विशेष केंद्र रहेंगी।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न जागरूकता स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से नागरिकों को स्वच्छ आदतें अपनाने, प्लास्टिक उपयोग में कमी लाने तथा दैनिक जीवन में फिटनेस एवं अनुशासित दिनचर्या को शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बोरिंग मशीन की चपेट में आकर मां-बेटे की दर्दनाक मौत

मां ने बेटे को बचाया, खुद कुचल गई

घर के सामने खेल रहा था मासूम, अचानक जानवरों के बीच फंसा

बेटे को बचाने दौड़ी मां, लेकिन दोनों की सांसें एक साथ थम गईं

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सूखा में रविवार शाम करीब 6 बजे एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जिसने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। घर के सामने खेल रहे 6 वर्षीय मासूम राधा रमन की जान बचाने के प्रयास में उसकी 32 वर्षीय मां अंशु उरमालिया पति श्रीधर उरमालिया ने अपनी जान गंवा दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मासूम राधा रमन अपने घर के पास खेल रहा था, तभी अचानक वहां कुछ जानवर आ गए। जानवरों को देखकर बच्चा घबरा गया और खुद को बचाने की कोशिश करने लगा। बेटे को खतरे में देख मां अंशु बिना एक पल गंवाए उसकी ओर दौड़ी, ताकि उसे सुरक्षित निकाल सके। इसी दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम में वहां से गुजर रहा एक तेज रफ्तार बोरिंग मशीन वाला ट्रक अनियंत्रित हो गया और मां-बेटे को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। एक मां का अपने बेटे को बचाने के लिए खुद को न्योछावर कर देना हर किसी की आंखें नम कर रहा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक की तेज रफ्तार और लापरवाही इस हादसे की मुख्य वजह हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के अंदर भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण लगाया जाए और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो सकें। यह हादसा न सिर्फ एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि समाज को भी यह सोचने पर मजबूर करता है कि सडक़ों पर लापरवाही कितनी घातक साबित हो सकती है।

सगे भाई पर सब्बल से वार करने वाला जगमोहन गिरफ्तार

शहडोल।

खून के रिश्तों को शर्मसार करने वाले एक बेरहम कातिल का अंत आखिरकार सलाखों के पीछे हुआ। खैरहा थाना क्षेत्र के ग्राम सारंगपुर में अपने सगे भाई पन्नेलाल कोल की लोहे की सब्बल से निर्मम हत्या करने वाला आरोपी जगमोहन कोल अब पुलिस की गिरफ्त में है। 24 अप्रैल को हुए इस खूनी खेल के बाद से ही आरोपी जंगलों में छिपकर पुलिस को छका रहा था, लेकिन खैरहा पुलिस की घेराबंदी के आगे उसकी चालाकी धरी की धरी रह गई।

लोकेशन ट्रेस करना था सिरदर्द

आरोपी जगमोहन न केवल अनपढ़ था, बल्कि उसके पास मोबाइल तक नहीं था, जिससे उसकी लोकेशन ट्रेस करना पुलिस के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। वह शातिर अपराधी की तरह जंगलों में ठिकाने बदल रहा था। उपनिरीक्षक उमाशंकर चतुर्वेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जाल बिछाया और 1 मई को सेमराटोला के जंगलों में घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जवानों ने उसे दबोच लिया।

जुर्म कुबूला, सब्बल और खून से सने कपड़े बरामद

पकड़े जाने के बाद आरोपी ने अपना गुनाह कुबूल कर लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई वह लोहे की सब्बल और घटना के वक्त पहने गए कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। इस महत्वपूर्ण सफलता में प्र.आर. पवन शुक्ला, जवाहर सिंह और उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। खैरहा पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों को साफ संदेश दिया है कि कानून के हाथ जंगल की गहराईयों से भी लंबे हैं।

शासकीय महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलौड़ी

सिलौंडी शासकीय महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है प्राचार्य डॉ रतिराम अहिरवार ने बताया 12 उत्तीर्ण/पूरक छात्र छात्राओं के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से प्रारंभ हो रही है। उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रदेश के समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों एवं एनसीटीई पाठ्यक्रम संचालित करने वाले महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से 30 जून 2026 तक संचालित की जाएगी।विद्यार्थियों के लिए, प्रवेश प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए इस वर्ष भी इसे तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, इसमें दो केंद्रीकृत चरण एवं एक CLC (कॉलेज लेवल काउंसलिंग) चरण सम्मिलित रहेगा।

विद्यार्थी मोबाइल ऐप (ePravesh) एवं ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। विशेष बात यह है कि इस सत्र से विद्यार्थी आज से ही ePravesh ऐप के माध्यम से पंजीयन प्रारंभ कर सकते हैं, जबकि विकल्प चयन 1 मई से प्रारंभ होगा।विद्यार्थियों के लिए प्रवेश को अधिक सुलभ बनाने के लिए, पंजीयन शुल्क NCTE एवं परंपरागत पाठ्यक्रमों के लिए 100 रूपये निर्धारित किया गया है।

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पोर्टल शुल्क पूर्णतः समाप्त रहेगा। प्रथम चरण में छात्राओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा द्वितीय चरण से सभी विद्यार्थियों के लिए पंजीयन शुल्क 150 रूपये निर्धारित किया गया है। साथ ही ऐसेविद्यार्थी जो स्वयं पंजीयन नहीं कर पा रहे हैं, उनके लिए शासकीय महाविद्यालय सिलौंडी में सहायता केंद्र हेल्प सेंट स्थापित किए गए हैं, जहाँ निःशुल्क पंजीयन सुविधा उपलब्ध रहेगी।

विद्यार्थियों की सहायता के लिए कॉलेज द्वारा हेल्पलाइन,हेल्पडेस्क भी स्थापित किए गए हैं जो कि कार्यालयीन समय में उपलब्ध रहेंगेविद्यार्थियों के प्रवेश के लिए, प्रथम आवंटन सूची 20 मई 2026 को जारी होगी।

खबर संक्षेप

छठवें दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, कंस वध और सुदामा चरित्र का किया वर्ण

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर के सूर्या गार्डन मे रामचंद्र केसरवानी परिवार द्वारा 26 अप्रैल से 04 मई तक आयोजित हो रहे श्रीमद भागवत कथा के 06वे दिन शनिवार को वातावरण भक्तिमय रहा। साध्वी प्राची देवी ने अपनी मधुर वाणी में कथा के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। इस दौरान धर्म, भक्ति और जीवन के आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। छठवें दिन कथावाचक साध्वी प्राची देवी ने भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, कंस वध और सुदामा चरित्र जैसे प्रमुख प्रसंग सुनाए। संगीतमय कथा के दौरान विवाह झांकी और महारास लीला ने पांडाल में भक्तिमय माहौल बना दिया, जिससे श्रद्धालु नृत्य करने लगे। भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद विवाह गीत गाए गए और श्रद्धालुओं ने झांकी के दर्शन कर पूजन किया। कथा में गोपीजनों के साथ भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य महारास लीला का भी वर्णन किया गया, जिसे भक्ति और समर्पण का प्रतीक बताया गया। देवकी के आठवें पुत्र श्रीकृष्ण द्वारा कंस के षड्यंत्रों को विफल कर उसके वध की कथा भी सुनाई गई। कथावाचक ने मित्रता के सर्वोच्च उदाहरण सुदामा चरित्र का वर्णन किया, जो अत्यंत भावुक प्रसंग था। इस दौरान श्रद्धालु राधे-राधे के जयकारों और कीर्तन के साथ नृत्य करते दिखे। कथा के अंत में आरती की गई। भागवताचार्य ने बताया कि यह कथा जीव को परब्रह्म से मिलन का मार्ग दिखाती है। रविवार 03 मई को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष कथा का वाचन किया गया व हवन, ब्राम्हण भोज एवं भंडारा आज सोमवार, 04 मई को दोपहर 1 बजे से रामचंद्र केसरवानी के निवास स्थल आर्दश मार्ग अनुपपुर मे होगा। इसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखी जा रही है। समापन दिवस पर भव्य आयोजन और पूजन कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं।

अनूपपुर में हाथियों का तांडव बदस्तूर जारी

5 गजराजों का आतंक, 4 मौतें, कई घायल

ग्रामीण दहशत में, डीएफओ खुद संभाले मोर्चा

अनूपपुर जिले में बीते कई दिनों से हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पांच हाथियों का दल अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय होकर लगातार ग्रामीण अंचलों में तांडव मचा रहा है। अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है और कई ग्रामीण घायल हुए हैं। रात होते ही हाथी जंगल से निकलकर गांवों में प्रवेश कर फसलों और मकानों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे ग्रामीण पूरी रात जागकर डर के साए में जीवन बिताने को मजबूर हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में छत्तीसगढ़ सीमा से आए पांच हाथियों का दल बीते कई दिनों से अलग-अलग समूहों में बंटकर भारी तबाही मचा रहा है। तीन हाथियों का एक समूह पिछले 127 दिनों से क्षेत्र में विचरण कर रहा है, जबकि एक आक्रामक दंतैल हाथी पिछले 30 दिनों से लगातार ग्रामीण इलाकों में उत्पात मचा रहा है। इसके अलावा एक अन्य हाथी भी 13 दिनों से सक्रिय है। इन हाथियों ने अब तक चार लोगों की जान ले ली है और कई अन्य को घायल कर दिया है। खेतों में खड़ी फसलें, घरों में रखा अनाज और ग्रामीणों की आजीविका पर इसका सीधा असर पड़ा है। हाथियों की गतिविधियों से प्रभावित गांवों के लोग 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में भय के माहौल में जी रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग के अधिकारी, विशेषकर डीएफओ, खुद रातभर निगरानी कर रहे हैं और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

तीन हाथियों का 127 दिनों से डेरा, फसलों को भारी नुकसान

जैतहरी क्षेत्र में तीन हाथियों का समूह पिछले 127 दिनों से सक्रिय है और पिछले 20 दिनों से पड़रिया, कुकुरगोंड़ा और धनगवां बीट के जंगलों में डेरा डाले हुए है। रात होते ही ये हाथी जंगल से निकलकर गांवों में पहुंच जाते हैं और किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। भलुवान टोला, पडमनियाटोला और चौकी टोला सहित कई गांवों के किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। खेतों में खड़ी फसल और घरों में रखा अनाज हाथियों का आसान शिकार बन रहा है, जिससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है।

घरों और अनाज पर हमला, ग्रामीणों की रातें बेहाल

हाथियों के हमले सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे अब घरों को भी निशाना बना रहे हैं। सोनमौहरी गांव में एक हाथी ने कच्चे मकान को तोड़कर अंदर रखा अनाज खा लिया और पूरे आंगन में बिखेर दिया। ग्रामीणों को रातभर जागकर अपने घरों और परिवार की सुरक्षा करनी पड़ रही है। कई लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में गांव छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। यह स्थिति ग्रामीण जीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर रही है।

आक्रामक दंतैल हाथी बना मौत का कारण

एक अकेला दंतैल हाथी, जो लगभग 30 दिनों से क्षेत्र में सक्रिय है, सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। इस हाथी ने 26 और 30 अप्रैल को दो महिलाओं की जान ले ली, जबकि तीन अन्य लोगों को गंभीर रूप से घायल किया। यह हाथी दिन में जंगल में रहता है और रात होते ही गांवों में प्रवेश करता है। इसकी आक्रामक प्रवृत्ति के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं और हर आवाज पर सतर्क हो जाते हैं।

राहगीरों पर खतरा, कई लोग बाल-बाल बचे

हाथियों का आतंक सिर्फ गांवों तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़कों पर चलने वाले लोगों के लिए भी खतरा बन गया है। सेंदुरी-सोनमौहरी मार्ग पर कई बार हाथी अचानक सामने आ गए, जिससे मोटरसाइकिल सवार राहगीरों की जान जोखिम में पड़ गई। बीती रात चार-पांच लोग बाल-बाल बच गए। इस कारण रात के समय आवागमन लगभग ठप हो गया है। लोग जरूरी काम होने पर भी बाहर निकलने से बच रहे हैं, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

वन विभाग की सतर्कता, डीएफओ खुद कर रहे निगरानी

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डीएफओ खुद रातभर जागकर हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। नाइट विजन ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है और ग्रामीणों को 'गजराज दल' ऐप से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथियों से दूरी बनाए रखें, किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश जारी है।

बर्फानी आश्रम अमरकंटक में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ नर्मदा उद्गम कुंड में हुआ विधिवत पूजन-अर्चन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक की आध्यात्मिक चेतना इन दिनों भक्तिरस में सराबोर है। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 14, नर्मदा उद्गम मंदिर के पीछे स्थित बर्फानी आश्रम परिसर में 3 मई रविवार से ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष द्वितीया तिथि, विशाखा नक्षत्र के पावन योग में देवर्षि नारद के पावन जयंती से सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन प्रारंभ हुआ। यह आध्यात्मिक अनुष्ठान 9 मई शनिवार, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी तिथि, श्रवण नक्षत्र तक श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निरंतर चलता रहेगा। प्रथम दिवस पर बर्फानी आश्रम परिसर से विशाल एवं भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर भजन-कीर्तन, वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि एवं हरिनाम संकीर्तन के साथ सहभागी बनकर चले शोभायात्रा नर्मदा उद्गम मंदिर पहुंची, जहां पवित्र कुंड में कथा कलश का विधिवत पूजन-अर्चन वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न हुआ। वातावरण हरि बोल और जय मां नर्मदा के जयघोष से गुंजित हो उठा। कथा व्यास पीठ से विद्वान वक्ता डॉ. पंडित नरेंद्र पांडेय द्वारा संगीतमय एवं रसपूर्ण शैली में श्रीमद् भागवत कथा का अमृतपान कराया जा रहा है, जिससे श्रोता भावविभोर हो रहे हैं। कथा प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक बर्फानी आश्रम के विशाल सभा हॉल में आयोजित की जा रही है। इस पुण्य आयोजन का संचालन सुखदेव समिति कपासहेड़ा (नई दिल्ली) एवं बालोर (हरियाणा) के तत्वावधान में किया जा रहा है। कथा के मुख्य यजमान के रूप में श्रीमती प्रेम यादव, श्रीमती सुशील यादव, श्रीमती चंद्रावती यादव, श्रीमती सुरेंद्र यादव, श्रीमती कप्तान यादव एवं कृष्णा खत्री श्रद्धापूर्वक अपनी सेवाएं अर्पित कर रहे हैं। आयोजन मंडल में श्रीमती सुशीला यादव, श्रीमती सुनीता यादव, मुकेश खत्री, कप्तान यादव, श्रीमती चंद्रावती यादव, प्रेम यादव, श्रीमती सविता यादव, श्रीमती जागृति यादव एवं परीक्षित यादव सहित अनेक श्रद्धालु सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में सहयोगकर्ताओं द्वारा तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाया जा रहा है। समापन अवसर 9 मई, शनिवार को हवन-पूजन, कन्या पूजन, संत समागम एवं विशाल भोजन भंडारे के साथ यह दिव्य आयोजन पूर्ण होगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक जागरण का भी सशक्त माध्यम बन रहा है।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789